30 09 24

Tender Heart High School, Sector 33 B, Chandigarh.

कक्षा - तीसरी

शिक्षिका - श्रीमती कल्पना शर्मा

विषय - हिन्दी साहित्य

पुस्तक : तरंग हिन्दी पाठमाला - 3

पाठ - 1 कोयल रानी (कविता)

सुप्रभात प्यारे बच्चो !

आज हम कक्षा तीसरी की हिन्दी साहित्य की पाठ्यपुस्तक तरंग हिन्दी पाठमाला - 3 में दिए पाठ-1 'कोयल रानी' को पढ़ेंगे तथा समझेंगे।

बच्चो ! इस कविता में कवयित्री ने कोयल पक्षी के बारे में चर्चा की है। कविता में दिए चित्र में बच्चे पेड़ की डाल पर बैठी कोयल को देख रहे हैं। कवयित्री के अनुसार वे बच्चे कोयल को देखकर यह सोच रहे हैं कि कोयल का रंग काला होता है परन्तु इसकी बोली मीठी होती है। कोयल की आवाज़ मीठी होने के कारण सबको अच्छी लगती है। जब गर्मी होती है और आम का मौसम होता है तो कोयल कूक-कूक कर आमों में मिठास भर देती है अर्थात् कोयल ने आम के पेड़ पर बैठ कर कूक-कूक करके आमों को मीठा बना दिया है।

बच्चे कोयल से कहते हैं कि तुम बहुत दिनों के बाद आज इस डाली पर दिखाई दे रही हो। सच बताओ कि तुम क्या संदेश लेकर आई हो।

कक्षा - तीसरी

शिक्षिका - श्रीमती कल्पना शर्मा

विषय - हिन्दी साहित्य

कोयल की आवाज़ सुनकर ऐसा लगता है कि कोयल कुछ गा रही हो या किसी को बुला रही हो। जब कोयल कूकती है तब गरमी का मौसम होता है। धरती प्यासी होती है। कोयल को इस प्रकार कूकते देखकर बच्चों को लगता है कि कोयल सूखी धरती को देखकर सब पशु-पक्षियों के लिए मेघों से पानी माँग रही हो।

कोयल जिस प्रकार मीठा गाती है उसी प्रकार उसकी माँ भी मीठा ही गाती है। कोयल ने मीठा बोलना अपनी माँ से सीखा होगा।

कोयल एक जगह पर नहीं बैठती है। वह कभी एक डाल पर तो कभी उस डाल पर बैठती है और कूकती है। कोयल को जिसने एक डाली से दूसरी डाली पर उड़ना और गाना सिखाया है उसी ने तुम्हें मीठा बोलना भी सिखाया होगा।

कवयित्री के अनुसार बच्चों को कोयल बहुत अच्छी लगती है क्योंकि वह सदा अपनी माँ की बात मानती है। यही कारण है कि कोयल को सब चिड़ियों की रानी कहा गया है।

बच्चो! हमें भी अपने से बड़ों तथा माता-पिता की बात माननी चाहिए तथा सबसे मीठा बोलना चाहिए।

गृहकार्य

सभी छात्र इस कविता को दो-तीन बार ऊँचे स्वर में गाकर कंठस्थ करेंगे एवं निम्न कार्य को अपनी-अपनी साहित्य की कॉपी में लिखेंगे।

कक्षा- तीसरी
विषय - हिन्दी साहित्य शिक्षिका - श्रीमती कल्पना शर्मा

* कठिन शब्द

1. मेघ 2. संदेशा 3. मिठास 4. भली
5. सदा 6. डाली 7. मिसरी 8. सिखलाई
9. चिड़ियों 10. प्यासी।

* सुलेख

सभी छात्र इस कविता को अपनी-अपनी कॉपी में सुलेख के रूप में भी लिखेंगे।

* शब्द अर्थ

1. मेघ - बादल
2. संदेशा - खबर, सूचना
3. मिठास - मीठापन
4. भली - अच्छी
5. सदा - सदैव, हमेशा
6. डाली - पेड़ की टहनी
7. कूक - कूक कर - कोयल की बोली बोलकर

* वाक्य बनाओ

1. संदेश - कोयल हमें सबसे मीठा बोलने का संदेश देती है।
2. डाली - पेड़ की डाल पर चिड़िया चहचहा रही हैं।
3. सदा - हमें सदा सच बोलना चाहिए।
4. मिठास - आम में मिठास होती है।
5. सिखाया - मेरी माँ ने मुझे परिश्रम करना सिखाया है।

धन्यवाद

[Last Page]